

## 'अंकिक धर्म' की समृद्धि में

13 फरवरी को शाम 7:15 पर पुणे के मशहूर जर्मन बेकरी में हुए बम धमाके में 9 लोगों की मौत तथा 60 लोग घायल हुए। मृतकों में हमारे ही IIT से 2009 में उत्तीर्ण हुआ उनातक छात्र अंकिक धर्म शामिल है। अंकिक इलेक्ट्रॉनिकी एवं विद्युत संचार विभाग का छात्र था। वह मुंबई में जे. पी. मॉर्निंग में कार्यरत था। अन्य मृतकों में अंकिक की बहन आनंदी धर्म, और उनके अन्य तीन साथी शामिल हैं। उनकी बहन पुणे के फर्नर्स लन कॉलेज में पढ़ रही थी। अंकिक हर सप्ताह अपनी बहन से मिलने पुणे जाते थे, किसे पता था कि नियति ऐसा रूप दिखायेगी।



अंकिक की मृत्यु एक सदमा ला है। मानो ऐसा लग रहा हो कि किसी ने उनकी सारी यादों पर पूर्णविचाम लगा दिया हो। अंकिक जैसा क्रियाशील और गुणी छात्र शायद ही कोई रहा हो। उनकी फूटी और क्रियाशीलता की वजह से उनका नाम 'टेम्पो दा' पड़ गया था। अंकिक हमेशा पढ़ाई में अचल रहा, पटेल छात्रावास में सर्वश्रेष्ठ फ्रेशर का पुरस्कार जीता, नाट्य - कला (ड्रामाटिक्स - बंगाली एवं अंग्रेजी) में कई बेहतरीन अभिनेता का पुरस्कार जीता, इंटर IIT खेलों में उनकी दुसरी बैठक है। पहले उन्होंने हॉकी के युवा इंजिनियर और वैज्ञानिक पुरस्कार (YES) 2009-2010 प्रतियोगिता जीतने वाले छात्रों अभिषेक बनजी और रसना गोयनका को बधाई दी। उसके बाद ही वह चर्चा नीचे प्रस्तुत है।

## डॉ. मुथुरमन के साथ ओपन हाउस मीटिंग

12 फरवरी, 2010 को बोर्ड ऑफ गवर्नर, आई.आई.टी. खड़गपुर के चेयरमैन डॉ. मुथुरमन द्वारा बुलाई गयी ओपन हाउस मीटिंग में उन्होंने छात्र-प्रतिनिधियों के साथ शैक्षिक, छात्र जीवन, हॉस्टलों की स्थिति, मूलभूत व्यवस्थाओं आदि से सम्बंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। पिछले सत्र ही 27 मार्च की बैठक के बाद यह छात्रों के साथ आई.आई.टी. खड़गपुर में उनकी दुसरी बैठक है। पहले उन्होंने हॉकी के युवा इंजिनियर और वैज्ञानिक पुरस्कार (YES) 2009-2010 प्रतियोगिता जीतने वाले छात्रों अभिषेक बनजी और रसना गोयनका को बधाई दी। उसके बाद ही वह चर्चा नीचे प्रस्तुत है।

### इंटर आई.आई.टी:

इंटर आई.आई.टी. में हुए खराब प्रदर्शन को लेकर डॉ. मुथुरमन ने खेद प्रकट करते हुए उसका कारण जानना चाहा। तब छात्रों ने अपने कृष्ण सुझाव बताए -

- १० मूलभूत सुविधाएँ जैसे रक्षणा के मैदान न होना, खेलकूद के मैदानों और प्राफेशनल कोर्चों की कमी।
- २० दुसरी आई.आई.टीयों के मुकाबले आई.आई.टी. खड़गपुर में खेलों के लिए कम बजट है जिसको बढ़ाना जरूरी है।
- ३० 2011 में खड़गपुर में होने वाले इंटर आई.आई.टी की आधी-अधीरी टैयारियों पर भी नाराज़गी जताई जिनपर जल्द-से-जल्द कदम उठाने जरूरी हैं।

इस पर डॉ. मुथुरमन ने अधिक पूँजी खर्च करने की और प्राफेशनल कोर्चों की मांग से सहमति जताते हुए उन जरूरतों पर कदम उठाने की सलाह प्रशासन को दी। साथ ही उन्होंने बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा भी की।

### बी.सी. चॉय अस्पताल:

मौजूदा स्थिति से असहमति जताते हुए छात्रों ने माननीय चेयरमैन को निम्न लिखित परिच्छितियों से रूबरू कराया -

- १० डॉक्टरों की कमी और Diagnostic Centre के लिए पर्याप्त संसाधनों में कमी व देरी।

में भाग लिया तथा इंटर हॉल फुटबॉल एवं बास्केटबॉल में बेहतरीन योगदान दिया।

अंकिक की समृद्धि में 14 फरवरी 2009 को पटेल हॉल से 'कैन्डल लाइट मार्च' हुआ। इसमें सारे छात्रावासों से कई छात्र शामिल हुए। यह यात्रा पहले-पहले टाटा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, फिर नेताजी सभागार और अंततः विधान चौक पर रुकी जहाँ मौमबत्तियों से श्रद्धांजली दी गई। फिर वहाँ से यात्रा आगे पटेल छात्रावास पहुँची जहाँ अंकिक की तरस्वीर पर श्रद्धांजली दी गई। इस यात्रा में डीन छात्र व्यवहार (DOSA) प्रो. सौविक भट्टाचार्य, जिमखाना प्रेसिडेंट प्रो. मनीष भट्टाचार्य और अन्य प्रोफेसरों ने भाग लिया।

इस घटना ने फिर से 26 नवंबर की रात याद लिया दी जिसमें हमारे ही IIT के नेहरू छात्रावास के पूर्व छात्र मलयेशा बेनजी की मृत्यु ही गई थी। अंकिक तो चला गया पर उनकी यादें हमेशा हमारे साथ रहेंगी। हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि अंकिक, उनकी बहन और अन्य मृतकों की आत्मा को शांति दे और उनके साथियों एवं परिजनों को इस दुःख से उभरने की शक्ति दे। आशा है कि इनके हत्यारों को हराकर करतूत की सज़ा मिले और भविष्य में कभी हमें ऐसे दिन ना देखने पड़े।

२० कई निर्णय लिए गये पर अधिकांश में प्रशासन द्वारा आलास दिखाने पर नाराजगी दिखायी।

किंतु बैठक में यह तथ्य सामने आया कि बी.सी. चॉय के अलावा खड़गपुर के रेल अस्पताल में भी डॉक्टरों की कमी पायी गयी जिसका कारण यह था कि डॉक्टर अपने लिए बेहतर नौकरी की तलाश में इन अस्पतालों को छोड़ रहे हैं। डॉ. मुथुरमन ने टाटा द्वारा नियुक्त उनके बेहतरीन डॉक्टर द्वारा बी.सी. चॉय की जाँच-पड़ताल करवाने का वादा किया।

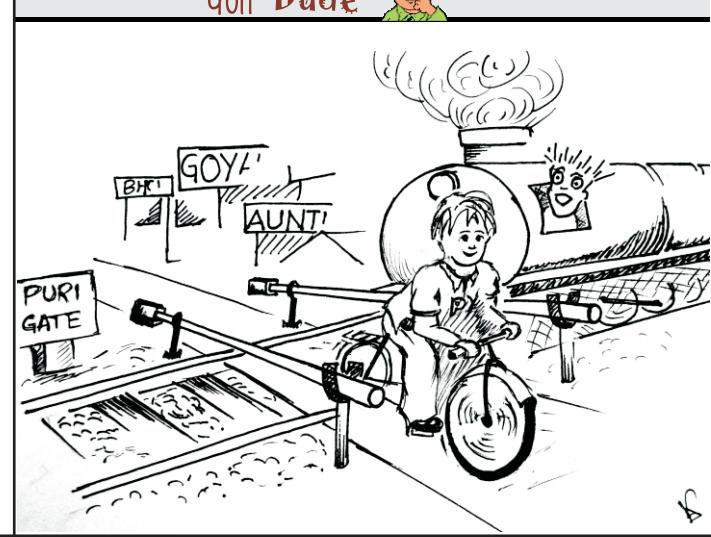
### HMC:

छात्रों ने HMC द्वारा हॉस्टल फी के 6750 रूपये हो जाने पर नाराजगी जतायी और पब्लिक ऑफिसियल की मांग रखी। लैकिन बढ़ोत्तरी का कारण माननीय निदेशक प्रो. दामोदर आचार्य ने सरकार द्वारा आर्थिक सहायता वापस ले लेने को बताया। पब्लिक ऑफिसियल का सुझाव स्वीकारा गया।

### प्लेसमेंट:

क्योंकि नौकरी के लिए बैठने वाले छात्रों कि संख्या में हर साल बढ़ोत्तरी का दौर देखा जा रहा है जो भविष्य में दुगुने से भी ज्यादा हो जायेगा, सलाह दी गई कि प्लेसमेंट को दिसंबर के पहले शुरू किया जाये ताकि हमें वर्तमान के ६ माह से अधिक समय मिले प्लेस करने को। और प्लेसमेंट सुधारने के लिए HR सलाहकार को नियुक्त करने का सुझाव भी दिया गया जो बैठक में रसीकारा गया। लैकिन दिसंबर से पहले कई कम्पनियाँ आने के लिए राजी नहीं। क्योंकि उनका मानना है कि अधिकतर छात्र नौकरी के बाद पढ़ाई छोड़ देते हैं और इसीलिए वे आखिरी सेमेस्टर की शुरूआत के पहले आने से झिझकती हैं।

## पंजी डूड़े



## इंटर्नशिप पर

नियमानुसार तीसरे वर्ष (B.Tech & Dual) और चतुर्थ वर्ष M.Sc छात्रों को इंटर्नशिप अनिवार्य है और TnP के द्वारा कराया जाता है। TnP विभाग की हमेशा से कोशिश रहती है की सभी छात्रों के लिए इंटर्नशिप का प्रबंध हो जाये पर अन्य इच्छुक छात्र भी TnP विभाग से अनुमति लेकर देश-विदेश में इंटर्नशिप कर सकते हैं। इस वर्ष TnP द्वारा बुलायी गयी Deloitte, Deutsche Bank, Schlumberger, Barcamps, ITC, BARC, Google, Reddys, TATA आदि नामी कम्पनियों ने कई इंटर्न लिये। कुछ MOU से जुड़ी Universities जैसे UC Berkley, USC आदि और रक्कालरशिप जैसे French Embassy Incentive Scholarship और जर्मनी के लिए प्रसिद्ध DAAD के द्वारा भी कई विद्यार्थियों ने अपनी विदेश में ट्रेनिंग लगवायी है। एक स्थिति यह भी बनी कि नियंत्रण ट्रेनिंग के लिए नियोन मिलने के कारण University Of Auckland ने एक प्रणाली बनायी जिससे वे सीधे विद्यार्थियों का चयन करके अपने कैम्पस बुलाने लगे हैं। कुल मिलाकर पिछले वर्ष 370 के करीब लोगों ने विदेश में ट्रेनिंग की तो 340 लोगों ने भारतीय संस्थानों या कम्पनीयों में प्रशिक्षण लिया।

पिछले सत्र तक हर दूसरे वर्ष पूरे करने वाले छात्र अपनी ट्रेनिंग जहाँ चाहे वहाँ लगवा सकते थे। लेकिन कुछ नियमों में संशोधन करते हुए TnP ने इस वर्ष से द्वितीय और चतुर्थ (Dual) वर्ष के छात्रों के लिए NOC देना बंद कर दिया है। चतुर्थ (Dual) वर्ष के छात्र इंटर्न तब ही कर पायेंगे जब उनका इंटर्न प्राजेक्ट M.Tech प्राजेक्ट से जुड़ा हो और इस विषय में उनके गाइड की अनुमति अनिवार्य है। TnP सूत्रों के अनुसार संस्थान को विभिन्न कम्पनियों और विश्वविद्यालयों से ऐसी शिकायतें भी

## AIESEC - वैश्विक छात्र संगठन

KGP में नये प्रोजेक्ट्स का आरंभ होना तो एक आम बात है परंतु इस बार एक परिवर्तन यह देखने को मिल रहा है कि इनका हिस्सा बनने कुछ विदेशी छात्र भी आए हैं। यह संभव हो पाया है AIESEC द्वारा। AIESEC एक लाभ नहिं अंतर्राष्ट्रीय संस्था (NPO-Non Profit Organisation) है जिसका उद्देश्य विश्व तरह पर विभिन्न संस्कृतियों के बीच पारस्परिक प्रभाव बढ़ाना है। AIESEC के शुभांशु मिश्रा (Vice President-Communication) ने बताया कि AIESEC की स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् विभिन्न देशों के बीच सांस्कृतिक आदान प्रदान और छात्रों की नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से हुई थी और आज भी यह संस्था उस दिशा में कार्य कर रही है। AIESEC छात्रों के लिए दूसरे देशों में इंटर्नशिप की व्यवस्था करती है ताकि छात्रों को ग्लोबल एक्स्पोजर मिल सके।

AIESEC 110 देशों में फैली हुई संस्था है। भारत के 17 महानगरों में इसके रूपानीय कार्यालय हैं। इस वर्ष भारत से 2123 छात्रों को AIESEC द्वारा इन्टर्नशिप प्राप्त हुई। AIESEC-IITKGP AIESEC कोलकाता लोकल चैप्टर का एक्सटेंशन है। AIESEC-IITKGP के 9 लोकल बोर्ड आफ एडवाइजर्स हैं। साथ ही डीन आफ स्टूडेंट्स अफेयर्स व जिमखाना अध्यक्ष भी AIESEC-IITKGP की एडवाइजरी कमिटी में शामिल हैं।

इस सेमेस्टर में AIESEC-IITKGP ने 'गो ग्रीन', 'थिंक ग्रीन', 'ग्रीन

आई.आई.टी गांधीनगर ने वॉशिंगटन यनिवर्सिटी से समझौता स्थापित किया :

आई.आई.टी गांधीनगर ने सेन्ट लुईस में स्थापित वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी से एक कारार स्थापित किया है जिसके अंतर्गत आई.आई.टी गांधीनगर के छात्र मई 2010 में 10 सप्ताह के इंटर्नशिप प्रोग्राम में सेन्ट लुईस जाएंगे। इस संदर्भ में वे नई पीढ़ी के सोलर सेल का विकास, ऐरोसोल विज्ञान इत्यादि विषयों पर अनुसंधान करेंगे। आई.आई.टी के मुताबिक छात्रों को मेकडोनल (McDonnell) अकादमी के स्कॉलरों से भी संपर्क करने का मौका मिलेगा जिससे उन्हें दिर्घी में मदद मिलेगी।

जे.ई.ई.ई में बढ़ेगा बारहवाँ कक्षा के मार्क्स का महत्व :

भारत सरकार आई.आई.टी संस्थानों में दाखिले के लिए बारहवाँ कक्षा के प्रदर्शन को अधिक महत्व देने पर विचार कर रही है। वर्तमान समय में आई.आई.टी में प्रवेश के लिए बोर्ड में न्यूनतम 60% अंक चाहिए। केन्द्र मंत्रालय ने आई.आई.टी खड़गपुर के निदेशक प्रोफेसर दामोदर आचार्य के अंतर्गत एक समिति का स्थापन किया है जो जे.ई.ई.ई में सुधारों का सुझाव देगी। यह समिति केन्द्र द्वारा निर्धारित 3 महीनों में अपनी चिपोर्ट पेश करेगी। सत्र के दौरान यह भी प्रस्तावित किया गया कि चयन प्रक्रिया में सुधार लाया जाए क्योंकि मौजूदा व्यवस्था में सिर्फ सवाल हल करने पर जोर दिया जाता है।

एच.टी.टी.एस का शानदार प्रदर्शन :



हिन्दी टेक्नोलॉजी नाट्य कला सोसाईटी ने आई.आई.एम कोलकाता के फेर्स्ट (कारपेडियम) में खर्ब पदक हासिल किया है। उन्हें यह पदक 'तारा' नामक नाटक को प्रदर्शित करने के लिए मिला जिसमें वे प्रथम आए थे। प्रथम वर्ष की छात्रा अपराजिता नाथ को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया। इसके थोड़े समय पहले भी एच.टी.टी.एस ने एस.आर.सी.सी (दिल्ली) तथा स्ट्रिंग फैस्ट में खर्ब हासिल किया था।

## एक नज़र

मिली है कि यहाँ के छात्रों ने गलत C.V के साथ आवेदन पत्र भेजे तो कुछ छात्रों ने प्रोफेसरों को तंग किया। साथ ही TnP उन्हीं कम्पनियों और विश्वविद्यालयों में इंटर्नशिप के लिए प्रोत्साहित करेगी जिनका संस्थान के साथ MoU (Memorandum of Understanding) हो। जो कम्पनियाँ TnP के जरिये छात्रों को ट्रेनिंग के लिए ले जाती हैं उनसे छात्रों का सीधे संपर्क करना निषेध है। इसी क्रम में NOC की प्रक्रिया अब ऑनलाइन कर दी गई है।

अन्य IITs की यदि बात करें तो IIT बॉम्बे में किसी तरह की रोक-ठोक नहीं है परंतु दिल्ली में स्थिति बहुत ही हृतोन्त्साहित करने वाली है। वहाँ इंटर्नशिप के लिए आँफ कैम्पस नियोन करने की अनुमति नहीं है। और आपका चयन अन्य सभी प्रतिभागियों के साथ होगा जो की हमारी प्लेसमेंट प्रक्रिया से मिलती-झुलती है। TnP विभाग के अनुसार दूसरे IITs की तुलना में हमारे IIT Kgp की स्थिति काफी बेहतर है। बहुत सारी कम्पनियों से हमारे अच्छे सम्बंध हैं जिस कारण वे यहाँ से ट्रेनिंग के लिए छात्रों को लेने के लिए इच्छुक रहते हैं। कई ऐसी कम्पनियाँ हैं जो इस बार प्लेसमेंट के लिए नहीं आर्या परन्तु छात्रों को इंटर्न के तौर पर नियुक्त किया है। परंतु Pipavav Shipyard के साथ हमारे छात्रों का बर्ताव निराशा जनक रहा। पहले तो नौकरी दो महीनों में ही छोड़ देते हैं और इंटर्न भी किसी और जगह चले जाते हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि इस सत्र Pipavav Shipyard कैम्पस ही नहीं आयी। यह पहली बार नहीं हुआ और हर वर्ष कुछ कम्पनियाँ इसी तरह के बर्ताव के कारण दोबारा कैम्पस नहीं आयी।

समिट एवं Ecozen-Solutions द्वारा प्रायोजित 'Energy Audit' नामक प्रोजेक्ट आरंभ किए हैं। 'गो ग्रीन' के अंतर्गत SF में मैराथन का आयोजन किया गया था। 'थिंक ग्रीन' के अंतर्गत 'Green architecture' व 'Green Automobile' पर एक ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी तथा कैंपस की बेकार पड़ी भूमि (Waste Land) के सभी प्रयोग पर भी काम किया जा रहा है। AIESEC अल्पाधिकार प्राप्त लोगों की आर्थिक सहायता के लिये एक वित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित करायेगी। इन सभी को अप्रैल महीने के प्रथम सप्ताह में होने वाले ग्रीन समिट में पुरस्कृत किया जायेगा।

इंटर्नशिप के विषय पर पूछने पर शुभांशु ने बताया कि इच्छुक छात्रों से 2000 रु. रजिस्ट्रेशन फीस ली जाती है। इंटर्नशिप निश्चित होने पर 7000 रु. शेष कागजी कार्यवाही पूरा करने हेतु लिए जाते हैं। AIESEC शिक्षा, प्रबंधन, तकनीकी और विकास के क्षेत्र में दूसरे देशों में इंटर्नशिप उपलब्ध कराती है। जैसा कि शैक्षणिक इंटर्नशिप के नाम से ही प्रतीत होता है कि इंटर्नसि विदेशों में जाकर छात्रों को शिक्षा प्रदान करते हैं तथा डेवलपमेंट इंटर्नशिप किसी NGO के निर्देशन में सामाजिक सुधार के लिए काम करते हैं। AIESEC के माध्यम से KGP को भी एक वैश्विक मंच मिल रहा है क्योंकि यह एक ऐसा विषय है जिसके कारण विदेशी विश्वविद्यालय हमें रैकिंग में मात दे देते हैं।

## रबरें

प्रेसिडेन्ट प्रतिभा पाटिल आई.आई.टी कानपुर जार्येंगी :

प्रेसिडेन्ट प्रतिभा पाटिल 5 मार्च को आई.आई.टी कानपुर के 50वीं वर्षगांठ पर सम्मिलित होने आएंगी। इस मौके पर आई.आई.टी के बनाये "टाइम कैप्सूल" का उद्घाटन तथा श्रीमती प्रतिभा पाटिल जी करेंगी। यह टाइम कैप्सूल आई.आई.टी के सारे रिसर्च प्रोजेक्ट, MOU तथा अन्य उपलब्धियों को दर्शायेगी। यह टाइम कैप्सूल हजारों सालों तक सारी जानकारी सुरक्षित रखेगा।



विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में भारत पहुँचा 9वें स्थान पर :

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत ने 9वें स्थान पर कला कर लिया है। गैरितलब है कि इस क्षेत्र में भारत की वार्षिक विकास दर 12% है जबकि वैश्विक औसत 4% है। केन्द्रीय विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री पृथ्वीराज चौहान के मुताबिक यह सूजनशीलता का दशक होगा। केन्द्र ने इस संदर्भ में यह फैसला लिया है कि जी.डी.पी का 2-3% अनुसंधान तथा विकास के कार्य में लगाया जाए जो फिलहाल 1% है।



होंडा ने खड़गपुर के दो छात्रों को पुरस्कृत किया :

होंडा (भारत) ने आई.आई.टी खड़गपुर के दो छात्र अभिषेक बैनर्जी तथा रसना गोयंका को यंग इंजीनियर तथा साइनिस्ट (YES) के पुरस्कार से देती आ रही है। इसमें भारत के 7 आई.आई.टी.यों से 15 छात्रों को चुना जाता है। इन छात्रों का चयन उनके C.G., रिसर्च पेपर तथा साक्षात्कार को देखकर किया जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि चयनित छात्रों को होंडा 3,000 डॉलर कैश के अलावा जापान में पढ़ाई करने के लिए दियायें भी प्रदान करती हैं।



## वैलेन्टाइन नहीं ये है भाट टाईम

संत वैलेन्टाइन द्वारा प्रदत्त इस महान

परम्परा का निर्वाह आज की युग वर्ग भली - भाँति करती है। Kgp भला इसामे पीछे क्युँ रहती, मनाती तो ये भी है वैलेन्टाइन, पर जरा हटके। केजीपी में वैलेन्टाइन की व्याख्या ऐसे function के रूप में की जा सकती है जो many-one तो है परन्तु onto नहीं है। नहीं चमका क्या? तो सुनो - अब भला भँवरे कब से धृतूरों पे मँडराने लगे, वो तो सूर्यमुखी की ओर ही उन्मुख होंगे।

वैलेन्टाइन अपने संग रोज़ डे, चॉकलेट डे और न जाने कौन - कौन से अनसुने दिवस साथ लाता है। आधी आबादी को तो इन दिवसों का पता बंदियों के SM से ही चलता है। मन मे आशायें भी जाग जाती है, जब आपको इन दिवसों पर सकारात्मक मुख्युराहट भी मिलती है। लैकिन ज़ोर का झटका तो तब लगता है जब आप मैच की आखिरी गेन्ड पर हिट विकेट हो जाते हैं। तब बड़ी उम्मीदों से संजोये गये गुलाब के काँटे दिल में चुभने लगते हैं, जब आपके द्वारा किये गये सारे कॉल missed हो जाते हैं। लैकिन हमारे आई. आई. टी. के आशावादी बंदे अगले साल फिर से फाईट मारने की योजना भी बना लेते हैं और बनाये भी कर्यों ना उनके हाथ में Just Friend का लॉलीपॉप जो होता



## बुरा न मानो भाट है

लो फिर आ गई होली। भई हम बचपन से सुनते आए हैं कि रंगों का त्योहार होली जब आता है तो परस्पर प्रेम, सौहार्द और भाईचारा साथ में लेकर आता है। अब जब सालों से सुनते आए हैं तो मान ही लेते हैं। कहते हैं होली के दिन ऊँच नीच का कोई भेद नहीं रहता। भई सच ही तो है, यहीं तो वो दिन है जब बगल वाले रुम में रहने वाला रुट और आप एक ही रंग में रंग जाते हैं। फिर पंजी कौन और नहली कौन? यहीं तो वो महान दिन है जब नहली भी किसी को मुँह दिखाने लायक नहीं रहता। यहीं वो दिन है जब न सिर्फ सारी गलतियों को भूलकर दुश्मन के गाने भिला जा सकता है बल्कि पिछली गलतियों का बदला भी लिया जा सकता है। मुँह काला पीला कर दो, कपड़े फाड़ दो, गधे पर बिठाकर घुमाओ, बैंड बजावा दो कोई बुरा नहीं मान सकता और यदि बुरा मान भी जाए तो 'हम तो भई भाँग के नशे में थे' ये बहाना तो ही ही। भाँग से याद आया, होली आए और भाँग न हो, ये तो संभव नहीं। हाँ, लैकिन इतनी भाँग भी न पीजिए कि होली 'रंग दे बसंती' की जगह 'भाँग दे बसंती' बन जाए।

वैसे होली के भी कई प्रकार होते हैं। यथा सूखे रंगों वाली होली, पानी वाली होली, कपड़ा फाड़ होली, कीचड़नान होली इत्यादि। अब ये आपके हाँल टेम्पो पर निर्भर करता है कि आप इनमें से किस प्रकार के शिकार होंगे। यदि आप फच्चे हैं तो याद रखें कि बचाव ही सबसे बड़ा उपचार है और यदि आप सीनियर हाँल के फच्चे हैं तो याद रखें कि कोई बचाव नहीं है। बेहतर यहीं होगा कि मैकं का फायदा उठाएँ और लोगों का मुँह लाल पीला कर दें चाहे वो सीनियर हो या जूनियर। होली को कुछ लोग रुनान दिवस के रूप में भी जानते हैं क्योंकि इस दिन तो सभी को न चाहकर भी रुनान करना ही पड़ता है। यदि आप होली को पसंद नहीं भी करते हैं तो यहीं सोचकर प्रसन्न हो जाइए कि इसी बहाने आप नहा तो लैंगे। आशा है कि आप सभी kgp की इस होली का भरपूर आनंद उठाएँगे और हमारी तरफ से भी होली की शुभकामनाएँ।

## ए लॉट कैन हैपेन ओवर कॉफी

इतने महीनों से कॉलेज में कैफै कॉफी के खुलने की बात सुन-सुन कर हमें लगता था कि रेशन से बनने वाले हाईवे की तरह यह भी हमारे यहाँ से निकलने के बाद ही बनेगा। ऐसे में जब वो सच में खुल गया तो हमारे आश्चर्य का ठिकाना ना रहा। यह सोच कर खुशी भी बहुत हुई की अब खड़गपुर को कोई गँत न कह पाएगा।

खैर, एक शुभ दिन का मुहूर्त निकाल व पैसे देने के लिए एक दोस्त को फँसा- पहुँच गए हम भी कैफाभिषेक करने। लार टपकाने वाले ब्लौरों से भरी मेनु को पढ़ और अपने दोस्त की दरिया-दिली को द्यान रखते हुए हमने एक फैपे मँगताया, और हमारे मित्र ने एक असम टी ऑड़र की। फिर हम बैठ कर भाट मारने लगे और मारते रहे, मारते रहे, पर हमारा ऑड़र न आया। अब यूँ तो हम रात भर बैठ कर भाट मार लकर हैं पर खाने का इंतजार करते वक्त दिल बेचैन रहता है।

2 बार वेटर को जलदी करने के बाद आखिर वो फैपे तो ले ही आया। बड़ी आशाओं के साथ हमने पहला लिप लिया तो एक बार फिर आश्चर्य ही हाथ लगा। 'आईसक्रीम से सरोबार' यह 'कॉल्ड कॉफी' न तो 'कॉल्ड' थी, और न ही इसमें आईसक्रीम का कोई नामोनिशन था। पहले तो हम गुस्से से आग बबूले होने लगे पर फिर लगा की शायद इन लोगों ने अपनी शानदार कस्टमर सर्विस के द्वारा अँड़त लाने से पहले हमारी माँ से सलाह ली होगी। आज ही उन्होंने ने सर्दी में विशेष ध्यान रखने और ठंडी चीज़ें न खाने की सख्त हिदायत दी थी।

एक हँडू में अपनी कॉफी खत्म कर अपने दोस्त को देखा तो वह पिज्जा का पीस चबा रहा था। हमने एक पीस खाकर देखा तो पाया कि पिज्जा एकदम ठंडा था। 'यह क्या बात हुई?' हम बड़बड़ाए "ठंडी चीज गरम और गरम चीज ठंडी।" खैर, किसी तरह पिज्जा खत्म कर हम अब 'असम टी' का इंतजार करने लगे। पूरे 55 मिनट इंतजार

करने के बाद वेटर ने एक कप उबलता पानी और कुछ छोटी-छोटी थीलियाँ हमारे सामने ला कर रख दी। हम बैठे उसका मुँह ताकरे लगे- यह एक कप पानी उबलने में उसे करीब एक घंटा कैसे लगा यह बात हमारी समझ के परे है। खैर मेरे मित्र ने चाय की छोटी सी बोती पानी में डुबोई और चीनी मिलाकर अपनी चाय बना ही ली। अब यह बिना दूध की चाय अंग्रेजों को भाती होगी, पर हम लोगों से तो न पीई गई। खैर, हमारे मित्र जब उस चाय से ज़ूझ रहे थे तब हम समय व्यती करने के लिए असम टी का ब्लौरा पढ़ने लगे। एक बार फिर यह देख आश्चर्य हुआ कि उसमें लिखा था "Served with milk on the side"। वेटर को बुलाकर पूछा तो फँड़ा देने की लिहाज में बोला "दूध कॉफीमैन्टरी है सार, कॉफीमैन्टरी माने आपको चाहिए तो माँगना पड़ेगा।" और वह नाक चिढ़ाकर कटते बना। हम फट से बिल जमाकर वहाँ से निकल लिए। इससे तो बढ़िया हमारी मेसा है। कम से कम वे लोग दूध तो बिना बोले जाल देते हैं।

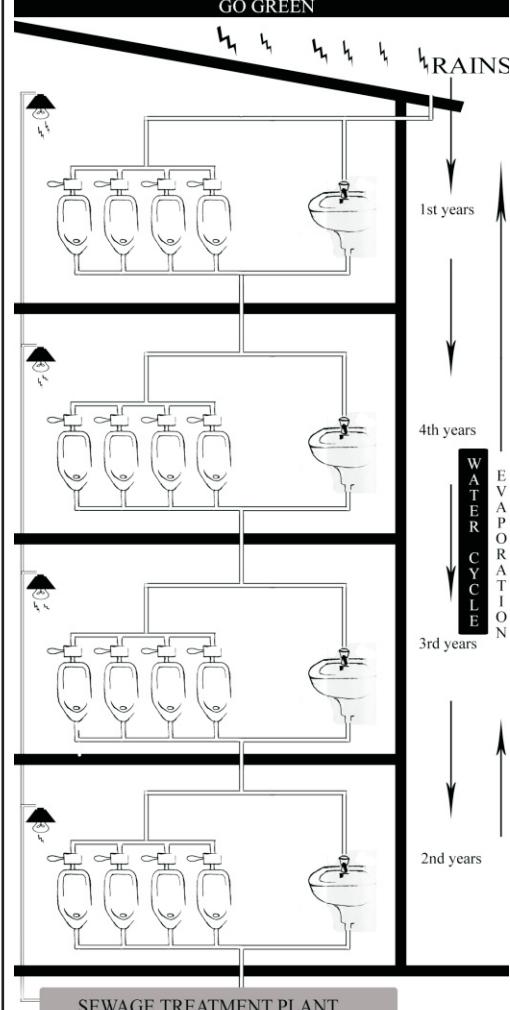
पर Kgp में कुछ ऐसे मजनूँ भी हैं जिनकी निकल पड़ती है। पार्कों की

जगह PMT (पिया मिलन ट्री) ले लेता है और जिन्हें इस दिन को खास बनाना होता है वो तो कोई ऊँची से ऊँची डिपार्टमेंट की छत ढँढ ही लेते हैं। और तब हम पूरस्त हो कर ये सोच रहे होते हैं कि काश Kgp में बजरंग दल या शिवसेना अपने जलवे दिखाती तो कम से कम समानता के अधिकार का पालन तो होता।

वैसे किसी भी दिवस की सार्थकता तब तक सिद्ध नहीं होती है जब तक फायदा न होता है। फायदा जानने के लिए Economics के एक बंदे से संवाद किया तो उसने कहा कि हल्दीराम और सी.सी.डी. के आने पर इश्क का ये खेल थोड़ा महँगा जरूर हुआ है पर अभी भी Consumer Surplus positive ही है। अम्ततः एक प्रोफेसर से भी युवावर्ग और वैलेन्टाइन के बारे में पूछ ही लिया। जवाब मिला -

जब उम्र के खुदमुखाइयों को कौन समझाये, कहाँ से बच के चलना है, कहाँ जाना जरूरी है।

## Technology कार्टून कोना



**Kamal Sports**

Deals in all type of sports goods and fitness equipment

16-A, Gole Bazar, Kharagpur

Contact:- 9933521191



**ALICE OPTICIANS**

Computerized Eye testing and Contact Lens Clinic



All types of Contact Lenses

Timing – 9 am to 9pm

Thursday closed

181, Gole Bazar, Kharagpur – 721301



## नेहरू म्यूजियम

खवंत्रेता के पश्चात भारत की प्रगति के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की उच्च शिक्षा के कम से कम चार संस्थानों की स्थापना का निर्णय लिया गया था। IIT खड़गपुर उसमें पहला संस्थान बना। तब से अब तक दुनिया कहाँ से कहाँ तक पहुँच चुकी है। नेहरू म्यूजियम भारत के इस अभूतपूर्व सफर का साक्षी है।

कम ही लोग जानते होंगे कि IIT की पुरानी बिट्टिंग जिसमें इसकी शुरूआत हुई प्रस्तावित हिजली जिले के मुख्यालय के कार्यालय के रूप में प्रयोग करने के लिए बनाया गया था। इसके ऐतिहासिक महत्व को समझते हुए पूर्व निदेशक प्रो के दल चोपड़ा ने इसमें एक

अनेक वर्षों से कई राजा महाराजा इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए अमर हो जाने हेतु स्मारकों, विशाल भवनों व कई ऐतिहासिक इमारतों का निर्माण कराते रहे हैं। विभिन्न नेतागणों द्वारा अपने अपने दलों के पूर्ववर्ती नेताओं की मृतियों का अनावरण भी कोई आश्चर्य की बात नहीं। किंतु कुमारी मायावती इन सब से दो कदम आगे निकली और अपने जीवनकाल में ही लगभग 6,000 करोड़ रूपयों की लागत से अपने और अन्य दलित नेताओं के अनेकों स्मारक बनवा डाले। शायद उन्हें विश्वास नहीं था कि उनके मरणोपरान्त उनकी पार्टी के कार्यकर्ता ये शुभ कार्य कर सकेंगे। सिर्फ यही नहीं अब उन स्मारकों की सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस बल के गठन के लिए वे विधानसभा में विधेयक लाने जा रही हैं जिसमें लगभग 1,000 पुलिसकर्मी होंगे। बल को प्रारंभ करने में 53 करोड़ रूपयों का व प्रतिवर्ष लगभग 10 करोड़ रूपयों का खर्च होगा। मायावती जी का कहना है कि यदि पहले की सरकारों ने यह कार्य कर दिया होता तो दलितों की स्थिति समाज में बेहतर होती। अब इनसे क्या कहा जाए, बस इतना ही कहा जा सकता है कि यदि इतना धन दलितों की आर्थिक व सामाजिक स्थिति सुधारने में लगाए जाएँ तो इन मृतियों के निर्माण की आवश्यकता नहीं होगी।

**DC  
top 5**

1. Discovering love <documentary>
2. Crazy heart <movie>
3. Hustle season 1 <tv series>
4. Where the wild things are <movie>
5. Redcliff : Part 1 and 2 <movie>



## जर्मनियम लेसर ऑप्टिकल कम्प्यूटर्स की ओर बढ़ते कदम

MIT के शोधकर्ताओं ने हाल ही में जर्मनियम द्वारा निर्मित लेसर का प्रदर्शन किया है जो कि ऑप्टिकल संप्रेषण के क्षेत्र में एक कांतिकारी कदम है। यह पहला जर्मनियम लेसर है जो कि रुम टेम्परेचर पर काम करेगा। यह लेसर Indirect Gap Band Semiconductor की श्रेणी में आता है जिनके बारे में माना जाता था कि ये उपयोगी लेसर पैदा नहीं कर सकते।

जैसे जैसे कंप्यूटर चिप की गणन क्षमता बढ़ती जाती है, उसे मेमोरी में डेटा भेजने के लिये उतने ही ज्यादा बैंडविड्थ के संयोजन की आवश्यकता होती है। ऐसे में परंपरागत इलेक्ट्रिकल संयोजक अव्यवहारिक हो जाएँगे क्योंकि उन्हें डेटा को इतनी तेज गति में भेजने में



अन्यथिक ऊर्जा की आवश्यकता होगी। यहाँ पर लेसर जो कि प्रकाश के एक संकीर्ण शक्तिशाली क्रिरण पुंज में बदल देते हैं ऊर्जा बचाने में काफी सहायक हो सकते हैं। लेकिन समस्या सिलिकॉन चिप पर इलेक्ट्रॉनिक एवं ऑप्टिक घटकों को समायोजित करने की थी।

ऐसे में जर्मनियम को सिलिकॉन चिप पर स्थापित करने की तकनीक विकसित की गई। यह सिलिकॉन चिप की गति बढ़ाने के मामले में भी फायदेमंद रहा। जर्मनियम को फार्स्फोरस से डोप किया गया था जिससे इलेक्ट्रॉन्स ने अपेक्षाकृत आसानी से फोटोन्स इमिट किए। इस नई खोज से वैज्ञानिक आशानित हैं कि ऑप्टिकल सर्किट भविष्य में काफी उपयोगी सिद्ध होंगे।

Enjoy the specific taste of Indian, South Indian, Chinese, Tandoor dishes at the food café

**Dream Land Restaurant  
&  
Amul Dream Parlour**

## सुरक्षा प्रमुख यू.पी.सिंह जी से विशेष बातचीत

1 : परिसर में मोटरसाईकिल की संख्या में काफी बढ़ि होने के क्या कारण हैं? क्या वाहन रखने के नियमों में कुछ बदलाव किये गये हैं?

यू.पी.सिंह सर : वाहन रखने के नियमों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अभी भी सिसीर्च स्टॉलर्स, सुरक्षा अधिकारियों व रेसिंग समूह के लोगों को ही मोटरसाईकिल की रखने की अनुमति है। अगर रेसिंग समूह के लोगों में मोटरसाईकिल की संख्या बढ़ रही है तो इसमें ज्यादा कुछ नहीं किया जा सकता है।

2 : गति की सीमा पार करने या किसी अन्य नियम का उल्लंघन करने पर वाहन चालक के खिलाफ क्या कार्रवाही की जाती है?

यू.पी.सिंह सर : नियमों का उल्लंघन करने पर वाहन जब्त कर ली जाती है परंतु गति सीमा पार करने पर किसी तरह के जुर्माने का प्रावधान नहीं है। पर यदि किसी छात्र ने वाहन चालक को गति सीमा का उल्लंघन करते पाया है तो सुरक्षा कर्मियों को इन नम्बर पर कॉल करके 1002, 1003 व 1004 सूचना दी जा सकती है। कंट्रोल रूम में भी 1001 और 82751 पर कॉल किया जा सकता है। इससे तुरंत ही कार्रवाही की जायेगी और चेक पोस्ट पर वाहन चालक को रोका जायेगा।

3 : क्या CCTV कैमरे लगने के बाद सुरक्षा स्थिति में कोई सुधार आये हैं?

यू.पी.सिंह सर : पिछले वर्षों की अपेक्षा सुरक्षा की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। खालिकर साईकिल चोरी की घटना में काफी कमी आई है। यह जाहिर लिखावाई शिकायतों के आँकड़े से साफ़ जाहिर होता है। परंतु कई बार छात्र अपनी



सभी शिकायते दर्ज नहीं करते या बीमा पॉलिसी का लाभ उठाने के लिए इसी शिकायते भी दर्ज करते हैं।

4 : क्या वर्तमान समय में सुरक्षाकर्मी लही संख्या में हैं? क्षितिज और स्प्रिंग फेस्ट के दौरान सुरक्षा की क्या स्थिति रही?

यू.पी.सिंह सर : परिसर में लोगों की संख्या में जितनी बढ़ि हुई है उस हिसाब से सुरक्षाकर्मियों की संख्या में बढ़ि की आवश्यकता है। क्षितिज और स्प्रिंग फेस्ट के दौरान हमने 60-70 सुरक्षाकर्मी बाहर से मंगवाए और फेस्ट के दौरान सुरक्षा व्यवस्था काफी अच्छी रही।

5 : सुबह क्लास शुरू होते समय, दोपहर और शाम के समय में ट्रैफिक काफी बढ़ जाती है तो क्या उस समय बाहर से आने वाले वाहनों को रोका जाता है?

यू.पी.सिंह सर : सुबह 8:30, दोपहर व शाम के समय हम बड़े वाहनों को अंदर आने से रोकते हैं और छोटे वाहनों से चलने वाले वहीं लोग अंदर आते हैं जिन्हें परिसर में कुछ जलरी काम होता है। ट्रैफिक बढ़ जाने पर हमारे सुरक्षाकर्मी व्यवस्था बनाए रखते हैं।

6 : आप परिसर के लोगों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

यू.पी.सिंह सर : सुरक्षा बल परिसर में व्यवस्था बनाए रखने का हर संभव प्रयास करती है। लोगों की सहभागिता जितनी बढ़ेगी, सुरक्षा व्यवस्था उतनी ही मजबूत और साफ़ होगी। जय हिंद!

## वेतन की अनियमितता के खिलाफ मोर्चा

8 फरवरी को विभिन्न छात्रावासों के मेस, सफाई तथा अन्य कर्म चारियों ने अपने वेतन के अनियमितता के कारण मोर्चा निकाला। जिन छात्रावासों में मेस कॉन्ट्रोलर के हाथों में है उस मेस के कर्मचारियों का वेतन सरकारी मेस के कर्मचारियों के वेतन से कठीब आधा है। इसके अलावा उन्हे साल में 8

(वर्किंग महीने) ही महीने का वेतन मिलता है जबकि सरकारी मेस में 12 महीने वेतन दिया जाता है। इससे उनका 4 माह बेकार हो जाता है। साथ ही इन्हें सप्ताह में मिलने वाली एक दिन की छुट्टी का भी वेतन काटा जाता है। कॉन्ट्रोलर ने कर्मचारियों के साथ कोई अनुबंध भी नहीं की है अर्थात् वे कभी भी काम से हटाये जा सकते हैं। उम्मीद है कि प्रशासन जल्द ही उनकी समस्याओं को देखते हुए कुछ निष्कर्ष निकालेगी।



**HP COMPAQ DELL SONY lenovo ZENITH acer HCL**



**HP LAPTOPS WITH CORE i3 & i5 CPU @ 44990/-**



**ASSEMBLED PC WITH COLOURFUL CABINET,KB & MOUSE @16990/-**



**COMPAQ LAPTOPS WITH 512MB GRAPHICS @37990/-**



**DESKTOPS WITH CORE i3,i5& i7 CPU HIGH PERFORMANCE 3YR WARANTY BEST PRICE**



**DELL LAPTOPS WITH i3,i5,&i7 CPU @29990/-**



**SONY VAIO LAPTOPS WITH WIDE RANGE OF NEW SERIES THAT FITS YOUR ULTIMATE STYLE**



**DELL LAPTOPS AVAILABLE IN A RANGE OF VIBRANT COLORS & ARTISTS EDITION DESIGNS**



**HCL ME LAPTOPS NEW RANGES WITH NUMBER OF UNIQUE FEATURES@22990/-**



**TOP QUALITY LAPTOP COOLING PAD WL MOUSE, BACKPACKS,USB HUB, ROUTERS,SURGE PROTECTOR**